पंछी ले जा तू सन्देश | By Amit Kalra Meetu

पंछी ले जा तू सन्देश म्हारे श्याम के देश
याद करे है थाने बाबा, थां को भक्त विशेष
पंछी ले जा तू सन्देश .....

हालात के आगे लाचार हैं हम
तेरे दर्शनों के तलबगार हैं हम
तेरे बिना अब लगने लगा है जीना हमको कलेश
पंछी ले जा तू सन्देश .....

मजबूरियाँ भी ज़िद पे अडी हैं
परेशानियां भी सिर पे खड़ी है
छूट रहा है धीरज किरपा करदो खाटू नरेश
पंछी ले जा तू सन्देश .....

मौका मिले तो मिलने को आना
अपने मोहित का लाड लड़ाना
चार दिनों का है ये जीवन साँसें बची कुछ शेष
पंछी ले जा तू सन्देश .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%aa%e0%a4%82%e0%a4%9b%e0%a5%80-%e0%a4%b2%e0%a5%87-%e0%a4%9c%e0%a4%be-%e0%a4%a4%e0%a5%82-%e0%a4%b8%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%a6%e0%a5%87%e0%a4%b6-by-amit-kalra-meetu/